सीजेपी ने कोविड के टीके (वैक्सीन) पर अक्सर पूछे जाने वाले कुछ सवालों (FAQ) के जवाब देने की कोशिश की है.

हमें टीका (वैक्सीन) क्यों लगवाना चाहिए?

कोरोना वायरस का संक्रमण दुनिया भर में इतना फैल चुका है कि, अब कोई भी कभी भी इसकी चपेट में आ सकता है. ऐसे में टीका ही कोविड-19 के खिलाफ हमारा सर्वश्रेष्ट विकल्प है.

कोविड का टीका कैसे काम करता है?

यह टीका हमारे शरीर में एंटीबॉडी बनाने में मदद करता है. इससे कोविड-19 के खिलाफ हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है. इस तरह हमारा शरीर संक्रमण को मात देने में कामयाब हो जाता है. अधिकतर वैक्सीन की दो डोज़, चार से छह सप्ताह के अंतराल में दी जाती है.

क्या वैक्सीन असर करती है?

अलग-अलग वैक्सीन के असर की क्षमता भी अलग-अलग है. लेकिन अगर आप टीका लगवा लेते हैं तो आप उन लोगों की तुलना में संक्रमण से ज्यादा सुरक्षित हो जाते हैं, जिन्होंने वैक्सीन नहीं ली है.

भारत में कोविड की कितने तरह की वैक्सीन उपलब्ध है?

इस समय भारत सरकार की ओर से निम्नलिखित टीकों को मंजूरी दी गई है

कोवैक्सीन (इसे भारत बायोटेक ने बनाया है)

कोविशील्ड (इसे सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने फार्मा कंपनी एस्ट्रे ज़ेनेका और ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर बनाया है)

स्पुतनिक V (इसे रशियन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट फंड ने बनाया है) इसकी पहली खेप देश में 1 मई 2021 को पहुंच चुकी है.

भारत सरकार ने कई अन्य वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों को यहां इजाज़त लेकर वैक्सीन बेचने का आमंत्रण दिया है. राज्य सरकारें और कॉरपोरेट कंपनियां भी वैक्सीन आयात करने के लिए विदेशी कंपनियों से बात कर रही हैं.

क्या गर्भवती महिलाओं को कोविड-19 का टीका लग सकता है?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, “गर्भावस्था में महिलाओं को गंभीर कोविड -19 का अधिक खतरा होता है, लेकिन गर्भावस्था में टीके की सुरक्षा का आकलन करने के लिए बहुत कम आंकड़े उपलब्ध हैं. यदि गर्भवती महिला को टीका लगाने का लाभ टीके के संभावित जोखिमों से अधिक है, तो गर्भवती महिलाओं को टीका लगाया जा सकता है.”

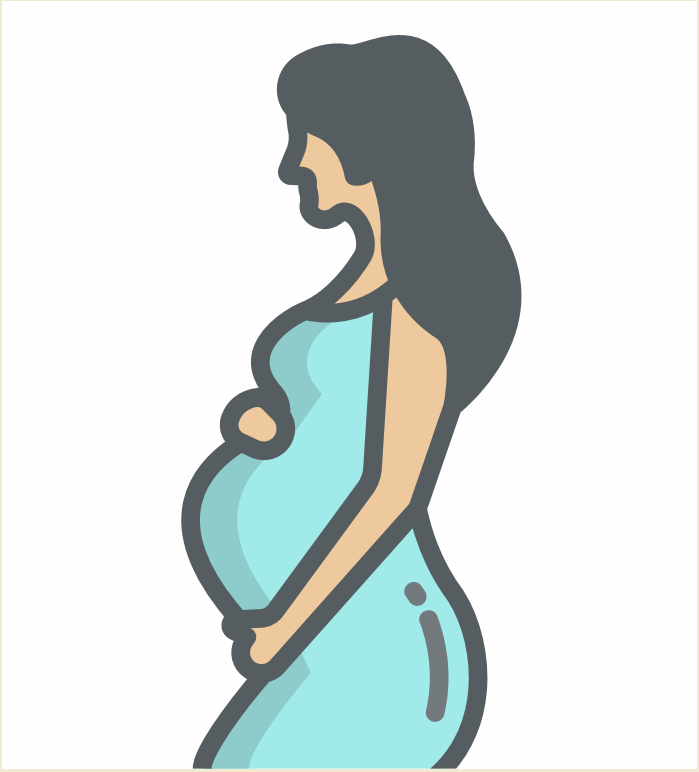

रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, जो संयुक्त राज्य में कोविड टीकाकरण प्रक्रिया की निगरानी कर रहा है, का कहना है कि “गैर-गर्भवती लोगों की तुलना में गर्भवती लोगों के कोविड -19 से गंभीर रूप से बीमार होने की संभावना अधिक होती है. यदि आप गर्भवती हैं, तो आप एक कोविड-19 वैक्सीन प्राप्त कर सकती हैं. गर्भावस्था के दौरान कोविड का टीका लगवाना आपको कोविड -19 से गंभीर बीमारी से बचा सकता है.” हालांकि, वैक्सीन की संरचना के पीछे के विज्ञान पर आधारित, विशेषज्ञों का मानना है कि गर्भावस्था के दौरान इसका उपयोग करना सुरक्षित है. लेकिन अच्छा होगा कि आप अपने हेल्थ केयर प्रोवाइडर की सलाह पर ही ये कदम उठाएं.

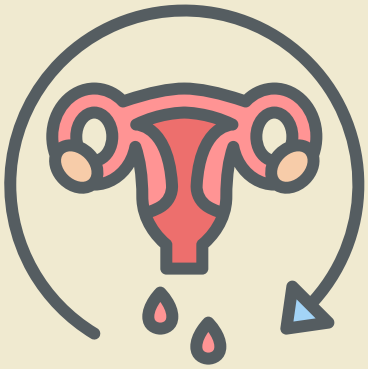

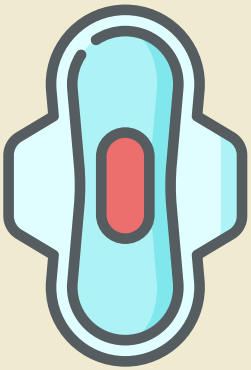

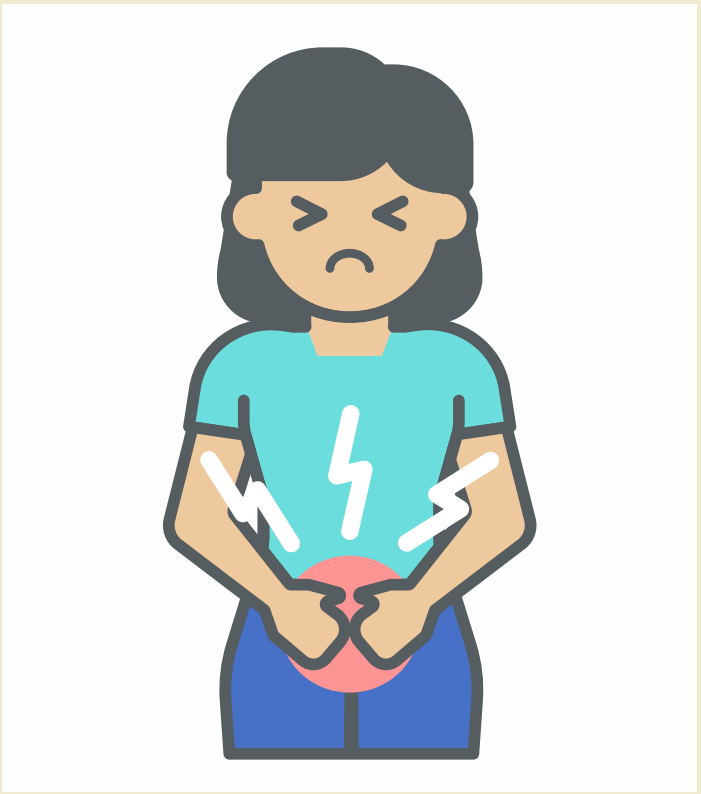

क्या टीका माहवारी को प्रभावित करता है?

माहवारी की मात्रा या नियमितता पर एक अस्थायी प्रभाव टीकाकरण के कारण हो सकता है, लेकिन यदि आप टीकाकरण के बाद अपने मासिक धर्म की मात्रा या चक्र के अंतराल में कोई बदलाव देखते हैं, तो तुरंत अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें.

इसके अलावा, जबकि कुछ दिनों के लिए मांसपेशियों में दर्द एक सामान्य दुष्प्रभाव है, अगर आपके मासिक धर्म में ऐंठन सामान्य से अधिक दर्द है तो अपने डॉक्टर से संपर्क करें.

क्या बच्चों को टीका लगवाना चाहिए?

संयुक्त राज्य अमेरिका सहित कई विकसित देशों में, 12 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के लिए टीकाकरण शुरू कर दिया गया है. भारत में अभी तक 18 साल से कम उम्र के लोगों के लिए टीकाकरण शुरू नहीं किया गया है. मौजूदा टीके की कमी को देखते हुए, यह संभावना नहीं है कि अगले कुछ महीनों में बच्चों को टीकाकरण उपलब्ध कराया जाएगा. बच्चों पर प्रभावकारिता और दुष्प्रभावों पर प्रत्येक टीके की स्वतंत्र रिपोर्ट को पढ़ने की सलाह दी जाती है, और बच्चों को टीका लगाने पर विचार करने से पहले एक डॉक्टर से भी सलाह लें.

बच्चों को टीका लगवाने के कई फायदे हैं, जैसे:

- उन्हें कोविड नहीं होगा
- वे दूसरों में कोरोना वायरस नहीं फैलाएंगे
- नए कोरोना म्यूटेंट्स की ब्रीडिंग नहीं होने देंगे
- आबादी हर्ड इम्युनिटी के करीब होगी
- संक्रमण के फैलाव (ऑउटब्रेक्स) से स्कूल बंद नहीं करने होंगे.

कोविड-19 से संक्रमित और ठीक हो चुके लोगो को टीका लगवाना चाहिए या नहीं?

जो लोग पहले ही कोविड-19 से ठीक हो चुके हैं, उन्हें भी टीका लगवाना चाहिए. लेकिन अगर आप कोरोना वायरस के संक्रमण से ठीक हो चुके है, तो आपको तुरंत कोरोना की वैक्सीन नहीं लगवानी चाहिए. भारत में ऐसे व्यक्तियों को ठीक होने के कम से कम तीन महीने बाद टीका लेने की सलाह दी जाती है. टीकाकरण के बाद भी हमें डब्लू एच ओ की गाइडलाइन्स का सख्ती से पालन करना चाहिए.

क्या गंभीर बीमारियां में कोविड 19 का टीका लगवाया जा सकता है?

आज लोगों को ये पता नहीं लग पा रहा है कि कौन सी बीमारियां गंभीर बीमारी की श्रेणी में आती हैं, और किस बीमारी से पीड़ित लोग कोरोना वायरस का टीका लगवा सकते हैं. इस पर डॉक्टरों का कहना है कि, 'वैक्सीन कोई भी ले सकता है, वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित हैं. ऐसे में किडनी या हार्ट के मरीज भी इन वैक्सीन को ले सकते हैं, क्योंकि इनके कोई भी साइड इफ्केट यानी दुष्प्रभाव नहीं हैं. ये पूरी तरह सुरक्षित वैक्सीन हैं, इसलिए सभी को ये लेनी चाहिए, क्योंकि कोरोना से बचने के लिए अभी इसके अलावा कोई और रास्ता नहीं है.' ***लेकिन अच्छा होगा कि गंभीर बीमारियों, जैसे हृदय रोग, मधुमेह, हाई ब्लड प्रेशर और किडनी के रोगी कोरोना वायरस का टीका लगवाने के पहले अपने डॉक्टर की सलाह ले लें.***

कोविड-19 वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स क्या हैं?

टीका लेने के बाद कुछ लोग, कुछ दिनों तक साइड इफेक्ट्स से गुजर सकते हैं. अलग-अलग लोगों में अलग-अलग तरह के साइड इफेक्ट दिखे हैं. ये हैं: टीका लगाई गई जगह पर घाव या दर्द होना, थकान, सिर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, ठंड लगना, बुखार, डायरिया.

क्या टीका लगाने से शरीर के अंदर खून के थक्के (क्लॉट) भी जमने लगते हैं?

टीका लगवाने के बाद कुछ लोगों के शरीर में खून के थक्के (क्लॉट) जमने की खबरें आई हैं, लेकिन डब्ल्यूएचओ और यूरोपियन मेडिसिन एजेंसी (EMA) ने कहा है कि ऐसा बहुत ही कम दिखा है. **दोनों एजेंसियों का कहना है कि वैक्सीन के फ़ायदे की तुलना में इसके जोखिम बहुत ही कम है.**

तो देर किस बात की?

आज ही www.cowin.gov.in पर लॉग-इन कीजिये और टीका लगवाने के लिए अप्वाइंटमेंट ले लीजिये, या अपने नज़दीक के सरकारी अस्पताल में जाकर टीका मुफ़्त में लगवाएं.